N (Printed Pages 7)

(20317) Roll No..................

B.A.- I Year (Regular)

RUS-4889

B.A. Annual (Regular) Examination, 2017

(For Regular Students Only)

HINDI-II

(हिन्दी नाटक एवं रंगमंच)

(A-114)

(Unified Syllabus)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 50*

नोट : **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। **सभी** भागों का उत्तर दीजिये। शेष प्रश्न-पत्र **चार** इकाइयों में विभाजित है। प्रत्येक इकाई के प्रश्नों का उत्तर दिये गये निर्देश के अनुसार दीजिए। कुल **पाँच** प्रश्न हल करने हैं।

1. सभी प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: 2×10=20

(i) नाटक एवं रंगमंच के सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' नाटककार का नाम बताइए।

P.T.O.

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

(iii) हरिकृष्ण प्रेमी के दो सामाजिक नाटकों के नाम लिखिए।

(iv) लक्ष्मी नारायण मिश्र के दो एकांकी संग्रहों के नाम लिखिए।

(v) धर्मवीर भारती का जन्म कब और कहाँ हुआ।

(vi) सीमा रेखा एकांकी में चारों भाइयों और उनकी पत्नियों के विचार एक दूसरे से भिन्न क्यों हैं?

(vii) कोमा के अनुसार स्त्रियों को प्रेम करने के अपराध का क्या दण्ड दिया जाता है?

(viii) ध्रुवस्वामिनी नाटक की कथावस्तु का स्रोत क्या है?

(ix) आधे-अधूरे नाटक की नायिका कौन है, उसके चरित्र की दो विशेषताएं लिखिए।

(x) आधे-अधूरे नाटक के नायक का नाम एवं उसके चरित्र की दो विशेषताएं बताइए।

इकाई-एक

2. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 4

(i) कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन। कितने संतोष से भरा था। नियति ने अज्ञात भाव से

RUS-4889\2

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मानो लू से तपी हुई वसुधा को क्षितिज के निर्जन से सायंकालीन शीतल आकाश से मिला दिया हो। जिस वायुविहीन प्रदेश में उखड़ी हुई साँसों पर बन्धन हो-अर्गला हो, वहाँ रहते-रहते, यह जीवन असह्य हो गया था। 4

अथवा

प्रणय, प्रेम! जब सामने से आते हुए तीव्र आलोक की तरह आंखों में प्रकाश पुंज उड़ेल देता है, तब सामने की सब वस्तुएँ और भी स्पष्ट हो जाती हैं। अपनी ओर से कोई भी प्रकाश की किरण नहीं। तब वही, केवल वही! हो पागलपन; भूल हो; दुःख मिले। उसमें चूकना, उसमें सोच-समझकर चलना, दोनों बराबर हैं।

(ii) क्योंकि मुझे नहीं लगता है कि----कैसे बताऊँ, क्या लगता है? वह जितने विश्वास के साथ यह बात कहता है, उससे......... उससे मुझे अपने से एक अजब सी चिढ़ होने लगती है। मन करता है.......

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मन करता है आसपास की हर चीज को तोड़-फोड़ डालूँ। कुछ ऐसा कर डालूँ जिससे------ 4

अथवा

यूँ तो जो कोई भी एक आदमी की तरह चलता फिरता, बात करता है, वह आदमी ही होता है........। पर असल में आदमी होने के लिए क्या जरूरी नहीं कि उसमें अपना एक माद्दा अपनी एक शख्सियत हो!

इकाई-दो

3. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(i) कविता तुम्हारे सूने दिलों में संगीत भरती है। स्त्री भी ऊबे हुए मन को बहलाती है। पुरुष जब जीवन की सूखी चट्टानों पर चढ़ता-चढ़ता थक जाता है- 'चलो थोड़ा मन बहलाव ही कर लें'। स्त्री पर अपना सारा प्यार, अपने सारे अरमान निछावर कर देता है; मानो दुनिया में और कुछ हो ही नहीं! 4

अथवा

हमें भी कैद में समझो, बेटी! हमारे गुनाहों ने हमें चारों तरफ से घेर रखा है। जमीर की जंजीरों ने भी हमारे

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

हाथ पैर बांध लिए हैं। हम अब इस दुनिया को आँख उठाकर नहीं देख सकते। जिस सल्तनत को खून से सींच-सींचकर हमने बड़ा किया है, उसे अगर अब आंसुओं से भी सींचना चाहें तो एक पूरी जिन्दगी चाहिए।

(ii) हाँ, हाँ, शादी को ही लीजिए, आप मानते है कि हर एक आदमी को जाति की जिन्दगी में दाखिल होना जरूरी है। जैसा मैं प्रायः कहता हूँ कि दुनिया साझे की दुकान है और हर एक बालिग आदमी का कर्तव्य है कि उसका साझेदार हो। अगर इस कोशिश में आप अपनी जान नहीं खपा देते, तो आप मनुष्य कहलाने का कोई हक नहीं रखते। 4

अथवा

बेटा बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं-बड़प्पन तो मन का होना चाहिए और फिर बेटा घृणा को घृणा से नहीं

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मिटाया जा सकता। बहू तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले घृणा दी जायेगी, लेकिन यदि घृणा के बदले उसे स्नेह मिले हो उसकी समस्त घृणा धुंधली पड़कर अवश्य लुप्त हो जायेगी और महानता भी बेटा, किसी से मनवायी नहीं जा सकती।

इकाई-तीन

4. निम्नलिखित प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए। 7

ध्रुवस्वामिनी नाटक के आधार पर नाटक की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'आधे-अधूरे' नाटक के सन्दर्भ में मोहन राकेश की नाट्य कला की समीक्षा कीजिए।

इकाई-चार

5. निम्नलिखित प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए। 7

एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'नये मेहमान' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

अथवा

डॉ. रामकुमार वर्मा का एकांकी के विकास में स्थान निर्धारित कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भैजे और 10 रूपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.ccsustudy.com